समावेश

एक पहल...

अंक 6, नवम्बर–जनवरी 2012

समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रकाशित

संपादक की कलम से...

प्रिय पाठकों,

कट्स द्वारा साईटसेवर्स के सहयोग से चलाये जा रहे समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे हैं। जिले में विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगाये गये निःशुल्क नेत्र शिविरों में परियोजना क्षेत्र के 300 लोगों के मोतियाबिन्द के आपरेशन करवाये गये।

विश्व विकलांग दिवस पर आयोजित सम्मेलन में विगलांगजनों ने सक्रियता से भाग लेकर यह साबित कर दिया कि उनमें भी कुछ कर गुजरने की तमन्ना है बस जरूरत है उनको भावनात्मक सम्बल देने की और मौका एवं सही मंच उपलब्ध करवाने की।

विकलांगजन जागरूक होकर प्रमाण–पत्र बनवाने, पेंशन तथा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए सीधे आवेदन करने लगे हैं। विकलांगजन का स्वयं सहायता समूह के माध्यम से संगठित होना, बैंक से ऋण लेकर अपना रोजगार शुरू करना एक मिसाल से कम नहीं है। आपको यह अंक कैसा लगा। आपके विचार एवं सुझाव सादर आमंत्रित हैं.... 'संपादक मंडल'

विकलांगजनों ने मनाया विश्व विकलांग दिवस

3 दिसम्बर, 2011 को विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर कट्स द्वारा साईटसेवर्स के सहयोग से चलाये जा रहे समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के तहत् कट्स मानव विकास केन्द्र पर विकलांगजन सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कट्स एवं चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ जिसमें चित्तौड़गढ़ एवं निम्बाहेड़ा पंचायत समिति से 112 सहभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चित्तौड़गढ़ की जिला प्रमुख श्रीमती सुशीला जीनगर ने अपने उद्बोधन में कहा कि,''समुदाय में विकलांगों के प्रति सकारात्मक मानसिकता लाकर विकलांगजन के विकास के लिए हमें हर संभव प्रयास करने होंगे''। चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच के अध्यक्ष श्री दिलीप सिंह राणावत ने बताया कि चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच विकलांगजन के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा उनको सरकारी सुविधाओं से लाभान्वित करवाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विकलांग मंच के उपाध्यक्ष मोहन लाल मेघवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि मंच पिछले साल आज ही के दिन गठित किया गया था जिसको एक वर्ष पूर्ण हो चुका है। श्री मेघवाल ने मंच द्वारा साल भर में किये गये कार्यों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित विकलांगजनों ने भी अपने अनुभवों का आदान–प्रदान किया जिसमें कट्स से जुड़ने के बाद उनमें आये बदलाव के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान विकलांगजनों द्वारा बांटे अपने अनुभवों से उनमे आत्मविश्वास साफ झलक रहा था।

विश्व विकलांग दिवस से पूर्व 1 व 2 दिसम्बर, 2011 को सर्व शिक्षा अभियान द्वारा राजकीय आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय किला रोड़ में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कट्स की ओर से चार दृष्टिबाधित बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया व पुरस्कार प्राप्त किये। विश्व विकलांग दिवस पर सर्व शिक्षा अभियान द्वारा आयोजित रैली में भी विकलांग बच्चों ने भाग लिया। यह रैली कलेक्ट्रेट से प्रारंभ हुई तथा मुख्य मार्ग से होती हुई प्रतियोगिता स्थल पर समाप्त हुई।

अभिभावक आमुखीकरण

कट्स मानव विकास केन्द्र पर 19 दिसम्बर 2011 को अभिभावक आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विकलांग बच्चों व उनके माता–पिता सहित 32 सहभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में साईटसेवर्स के परियोजना अधिकारी श्री जगदीश चौहान ने विकलांग बच्चों के विकास में अभिभावकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। श्री चौहान ने कहा कि बच्चों के विकास में उनके माता पिता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। बच्चों के समग्र विकास के लिए उन्हें शिक्षा से जोड़ना जरूरी है। इस अवसर पर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने में आने वाली कठिनाइयों पर भी चर्चा की गई।

स्वयं सेवी संस्था सदस्यों की आमुखीकरण कार्यशाला

20 दिसम्बर 2011 को कट्स मानव विकास केन्द्र रावला सेंती में स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्वयं सेवी संस्थाओं की विगलांगजन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला में 18 सहभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में कट्स द्वारा चलाए जा रहे समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर कट्स प्रतिनिधियों ने सरकार द्वारा विकलांगजन के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम एवं योजनाओं के बारे में जानकारी दी तथा संस्था द्वारा परियोजना क्षेत्र के लोगों को दिलाए लाभ के आंकड़े प्रस्तुत किये।

इस अवसर पर सहभागियो ने नेत्र स्वास्थ्य पर आधारित फिल्म देखकर जिले में नेत्र स्वास्थ्य पर प्रमुखता से कार्य करने की आवश्यकता प्रतिपादित की। कार्यशाला के समापन पर सभी सहभागियो ने अपनी संस्था के कार्य में विकलांग लोगों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से करने का आश्वासन दिया तथा समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम को पूरे जिले में लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उपभोक्ता परामर्श केन्द्र प्रभारी कार्यशाला

15 नवम्बर 2011 को कट्स मानव विकास केन्द्र, चित्तौड़गढ़ पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 11 पंचायत समितियों से ब्लॉक स्तरीय कट्स के उपभोक्ता परामर्श केन्द्र के 16 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यशाला के शुभारम्भ पर कट्स केन्द्र समन्वयक धर्मवीर यादव ने स्वागत उद्बोधन देते हुए संस्थागत परिचय दिया। कट्स के परियोजना अधिकारी श्री आराध्य शंकर गौड़ ने समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के उद्देश्य व गतिविधियों के बारे में अवगत कराया तथा विकलांगता की श्रेणी के जानकारी दी।

कार्यशाला में चित्तौड़गढ़ जिले में विकलागों की स्थिति में सुधार लाने में उपभोक्ता परामर्श केन्द्र की भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यशाला के अन्त में आगामी कार्ययोजना तैयार की जिसमें प्रतिनिधियों द्वारा विकलांगजनों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का निर्णय लिया।

सशक्तिकरण में स्वयं सहायता समूह बना वरदान

यह सर्वविदित है कि एकता में शक्ति होती है। यदि किसी काम को करने में एक से अधिक व्यक्ति जुड़ जाते हैं तो राह आसान हो जाती है। इस धारणा ने स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम को बल दिया। समान विचारधारा के दस से बीस व्यक्ति मिलकर समूह निर्माण करते है और अपनी क्षमता के अनुसार मासिक राशि एकत्रित कर एक कोष का निर्माण करते है। समूह सदस्य अपनी छोटी छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए समूह से ऋण लेते है और आसान किश्तो में पुनः जमा कराते है। समूह की बचत राशि नजदीक के बैंक में जमा कराई जाती है। यदि समूह छः माह तक निरंतर सही ढंग से चलता रहता है तो वह समूह नजदीकी बैंक से ऋण ले सकता है। बैंक उस समूह को उसकी कुल बचत राशि के चार से दस गुणा तक ऋण देता है। बैंक से ऋण लेकर समूह सदस्य नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जिससे आर्थिक विकास के साथ सामाजिक संबल भी मिलता है।

परियोजना क्षेत्र में आधारभूत सर्वे के माध्यम से विकलांग लोगों को चिन्हित कर सूची तैयार की गई। सूची के आधार पर इन लोगों के साथ सम्पर्क साधकर बैठक आयोजित की व विकलांगों को समूह का महत्व समझाया। कट्स द्वारा चलाए जा रहे समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के क्षेत्र में विकलांगों को संबल प्रदान करने हेतु समूह गठन किया। अपने आपको असहाय मानकर एकांकी जीवन जीने वाले विकलांगजनो में समूह के माध्यम से सक्रियता आने लगी व विकलांगजन स्वयं सहायता समूह गठित कर एक नई मिसाल कायम करते दिखाई देने लगे हैं।

पंचायत समिति निम्बाहेड़ा के किशनपुरा गांव में परियोजना कार्यक्रमों के दौरान पाया कि इन लोगों में कुछ करने की उमंग तो है लेकिन अपनी शारीरिक विकलांगता को अपनी कमजोरी मानकर निराशाजनक जीवन जी रहे थे। संस्था प्रतिनिधियों ने सम्पर्क एवं बैठकों के माध्यम से उन्हें सरकारी योजनाओं व स्वयं सहायता समूह के महत्व के बारे मे जानकारी दी। उन्हे एक नई आशा की किरण दिखाई देने लगी। 18 जुलाई 2011 को दस विकलांगों ने मिलकर अपना समूह तैयार किया एवं 100 रूपया मासिक जमा करना तय किया। सर्व सम्मति से समूह का नाम समावेश कालका माता स्वयं सहायता समूह रखा गया। सभी ने आपसी सलाह से रामनिवास जाट को अध्यक्ष, रामेश्वर सेन को सचिव तथा निर्मला जाट को कोषाध्यक्ष चुना। समूह की नियमित बैठकें आयोजित होने लगी और पास ही के बैंक में समूह का खाता खोला गया। बैंक ने समूह को 22 फरवरी 2012 को 24000 का ऋण दिया। इतनी बड़ी राशि पाकर समूह सदस्यों का उत्साह दुगुना हो गया। समूह के प्रति सदस्य ने समूह से 2400 का ऋण लिया। समूह सदस्यों ने इस ऋण राशि से नया व्यवसाय आरम्भ किया व तय किया कि समय पर लोन चुकाकर दूसरा लोन लेंगे जो उनके काम में मदद करेगा। यह समूह दूसरे विकलांगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना।

भेर्या बना भेरूलाल

भूचरतों की खेड़ी चितौडगढ़ पंचायत समिति का राजस्व गांव है जो कि जिला मुख्यालय से 37 किलोमीटर उत्तर पूर्व दिशा में बसा हुआ है। ग्राम पंचायत सोनगर के इस गांव में लगभग 40 घर हैं। भोई जाति बाहुल्य इस गांव के लोगों का मुख्य व्यवसाय खेती एवं पशुपालन है। स्वास्थ्य सेवाओं एवं आवागमन के साधनों के अभावों से ग्रसित इस गांव के अधिकतर लोग गरीब हैं। इस गांव का 30 वर्षीय जन्मांध भेरूलाल अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता है।

समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम से पूर्व भेरूलाल अधिकांश समय घर पर ही रहता था। यदाकदा बच्चों का हाथ पकड़कर खेत पर चला जाता, वहां दिनभर बैठा रहता और शाम को घर आ जाता। कर्ज में डूबे इस परिवार को उपेक्षित जीवन जीने की आदत सी हो गई थी। गांव के लोग उसे भेर्या के नाम से पुकार कर गरीब की जोरू जगत की भाभी वाली उक्ति चरितार्थ करते थे।

संस्था द्वारा समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के तहत् की गई आधारभूत सर्वे के दौरान भेरूलाल ने आप बीती सुनाई और किसी सरकारी योजना से जोड़ने की गुहार की। संस्था प्रतिनिधियों ने भेरूलाल का सामाजिक पुनर्वास करने की योजना बनाई। उसे गांव में लगने वाले प्रशासन गांव के संग अभियान की जानकारी दी तथा वहां जाने को कहा। प्रशासन गांव के संग अभियान के तहत दिसम्बर 2010 में ग्राम पंचायत मुख्यालय सोनगर पर आयोजित शिविर में भेरूलाल को ले जाकर उसका विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाया। विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाने के बाद पेंशन के लिए आवेदन किया। कुछ समय बाद उसको प्रतिमाह 500 रूपये पेंशन मिलने से थोड़ी राहत मिली।

कट्स द्वारा अक्टूबर 2011 में जैन धर्मशाला चित्तौड़गढ़ में चार दिवसीय कौशल विकास शिविर आयोजित किया गया जिसमें भेरूलाल ने भाग लिया। शिविर में अपने जैसे और लोगों की व्यथा सुनी तो थोड़ी सान्तवना मिली कि केवल मैं ही दुःखी नहीं हूँ मेरे जैसे और भी लोग हैं। शिविर में नोटों की पहचान करना, छड़ी के सहारे चलना, कपड़ों की व अनाजों की पहचान करना सीखा तथा दैनिक दिनचर्याओं के बारे में अपनी कुशलता बढ़ाई। शिविर के बाद कट्स कार्यकर्ता ने उसके गांव जाकर उसे छड़ी के सहारे

गांव में घूमने हेतु प्रेरित किया व इस कार्य में सहयोग देने हेतु परिवार वालो को भी समझाया।

अधिकतर समय अपने घर में बैठे रहने वाला भेरूलाल ने अब छड़ी के सहारे गांव में घूमना शुरू किया। नियमित अभ्यास करने से महसूस हुआ कि वह तो अकेला ही गांव में घूम सकता है। इस अभ्यास ने भेरूलाल के जीवन में नया मोड़ ला दिया। अब भेरूलाल अकेला ही पूरे गांव में ही नहीं घूम लेता बल्कि छड़ी के सहारे अपने खेत पर जाकर परिवार की मदद करने लगा। इस साल अपने खेत में कपास की फसल बोई जिससे उस साल से करीब 20 हजार रूपये अधिक की आय हुई।

भेरूलाल ने और आय बढ़ाने की सोची। ग्राम पंचायत में जाकर अपना जोबकार्ड बनवाने के लिए निवेदन किया। पहली बार किसी नेत्रहीन द्वारा जोबकार्ड बनवाने की बात सुनकर एक बार तो सचिव के बात गले नहीं उतरी लेकिन कट्स प्रतिनिधियों ने भी भेरूलाल का जोबकार्ड बनवाने के लिए पेरवी की। आखिरकार भेरूलाल का जोबकार्ड बन गया। 15 अक्टूबर 2011 को पंचायत समिति परिसर में आयोजित शिविर में भाग लेकर अपना बस पास भी बनवा लिया। बस पास बनने के बाद भेरूलाल अपने काम के लिए बस में बैठकर निःशुल्क यात्रा करने लगा है जिससे लोगों में भेरूलाल की पहचान बढ़ने लगी है। जो लोग पहले उसे भेर्या कहकर पुकारते थे अब उसे भेरूलाल कहकर पुकारने लगे हैं।

जिला स्तरीय अधिकारियों की कार्यशाला

16 नवम्बर 2011 को होटल मीरा, चित्तौड़गढ़ में कट्स द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बैंक, रोडवेज, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में परियोजना अधिकारी आराध्य शंकर गौड़ ने कट्स द्वारा साईटसेवर्स के सहयोग से चलाए जा रहे समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी, साथ ही परियोजना के तहत की गई गतिविधियां व उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों ने कट्स द्वारा चलाए जा रहे इस कार्यक्रम को जिले का एक अभिनव कार्यक्रम मानते हुए कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। कट्स मानव विकास केन्द्र के समन्वयक श्री धर्मवीर यादव ने आभार व्यक्त करते हुए सभी हितधारकों से कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में अनवरत सहयोग करने की अपील की।

उपभोक्ता परामर्श केन्द्र प्रभारी कार्यशाला

जिला स्तरीय अधिकारियों की आमुखीकरण कार्यशाला

स्वयं सेवी संस्था प्रतिनिधि कार्यशाला

अभिभावक आमुखीकरण कार्यशाला

विश्व विकलांग दिवस रैली में भाग लेते बच्चे

सर्व शिक्षा अभियान द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता

मीडिया

विकलांग दिवस पर जिला स्तरीय सम्मेलन में जिला प्रमुख जीनगर ने कहा

विकलांगों के प्रति बदलनी होगी सोच

भास्कर न्यूज. चित्तौड़गढ़

व्यक्ति के विकास में विकलांगता बाधक नहीं है, हमें अपनी सोच और मानसिकता को बदलने की जरूरत है। विकलांगजन अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर कार्य करें ...

करती जिला प्रमुख सुशीला जीनगर व उपस्थित लोग।

लगाई जलेबी रेस

विश्व विकलांग दिवस पर चंदेरिया स्थित विकलांग विद्यालय में जिला स्तरीय निशक्त खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग व सांवलिया बहुउद्देशीय विकलांग सेवा संस्था चंदेरिया के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसमें रस्साकसी, रूमाल झपट्टा, गुब्बारा फोड़ो, जलेबी रेस, 50 मीटर दौड़, कुर्सी रेस, बेडमिंटन, ट्राइसाइकिल रेस, बैसाखी दौड़ आदि प्रतियोगिताएं हुई। मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक मानधातासिंह ... विशिष्ट अतिथि लीलाधर सैनी

किसानों को चार करोड़ के ऋण वितरित

बड़ौदा राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा गोमाना में हुआ ऋण वितरण समारोह

छोटीसादड़ी। बड़ौदा राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा गोमाना में गुरुवार को ऋण वितरण समारोह व ग्राहक संगोष्ठी में चार करोड़ के ऋण वितरित किए गए। समारोह के मुख्य अतिथि बैंक के अध्यक्ष डॉ. एम एस फौगाट ने बैंक की ऋण, जमा योजनाओं का विस्तार से उल्लेख कर उनका पूरा लाभ उठाने व बच्चों को शिक्षित व हुनरमंद बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष ए के गुप्ता ने बैंक के ग्राहकों को समयबद्ध ऋण चुकाने व उसके लाभ की विस्तृत जानकारी दी। समारोह में गोमाना सहित बंबोरी, बारावरदा, कारूंडा, केसुंदा, निम्बाहेड़ा, बाड़ी, धमोतर शाखाओं के 326 लाभार्थियों को चार करोड़ के ऋण वितरित किए गए। इस दौरान आयोजित संगोष्ठी में क्षेत्र के किसानों ने बैंक की कार्य प्रणाली व ग्राहक सेवा की प्रशंसा की। इस दौरान किसानों ने क्षेत्र के चंडीमाता एनिकट के निर्माण पूर्ण करने की आवश्यकता बताई। किसानों ने ... फसल में पांच फीसदी तक वृद्धि हो ...

छोटीसादड़ी. समारोह में एक नेत्रहीन को ऋण देते अधिकारी।

मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान की पहल एवं परिणाम

चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच ने अपनी संस्था को ''मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान'' के नाम से पंजीकृत कराने का निर्णय लिया।

संस्थान ने कार्य प्रभावी ढंग से करने के उद्देश्य से पंचायत समिति स्तर पर कार्यकारिणी गठित की गई। 8 जनवरी, 2012 को पंचायत समिति निम्बाहेड़ा में ब्लाक अध्यक्ष गोविन्द जी रेगर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में 45 सदस्यों ने भाग लिया।

संस्थान ने अपने प्रयास से बल्दरखां के श्री कैलाश मीणा को विश्वास योजना के तहत 25000 रूपये का ऋण स्वीकृत करवाया जिससे श्री मीणा की पेंटिंग की दुकान में आय का इजाफा हुआ।

ओडून्द के श्री बगदीराम को सुखःद दाम्पत्य जीवन योजना के तहत 25000 रूपये का अनुदान दिलाने मे सफलता प्राप्त की है। अनुदान राशि पाकर दोनों दम्पति खुश हैं।

मिश्रों की पिपली गांव के बबलू शर्मा की 11 माह की बच्ची को आंखों से जुड़ी समस्या थी। संस्थान कार्यकर्ताओं ने बच्ची को सरकारी अस्पताल में दिखाने हेतु प्रेरित किया। बालिका का जिला अस्पताल में इलाज करवाया। अब बालिका की दोनों आंखे एकदम ठीक हैं।

''मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान'' में पदाधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार संस्था द्वारा सदस्यों को पहचान पत्र जारी कर जिला स्तर पर विकलांगजनों के हित के लिए सशक्त पैरवी करना एवं नियमानुसार सरकारी एवं गैर सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभ दिलवाना है।

Sightsavers
North West India Area Office
C-39, Panchsheel Colony, Ajmer Road Jaipur-302006
Ph: +91.141.2812081; Fx: +91.141.2812081-27

कट्स मानव विकास केन्द्र
सेंती (रावला), चित्तौड़गढ़ 312025, फोन: (01472): 241472 फैक्स: 247715
E-mail: chd@cuts.org, Website: www.cuts-international.org

मुद्रक : एम. एस. प्रिंटर्स